राधू 4. et 5. *P.* 1) cl. 5., *in dial. Vêd.* cl. 1. facere, efficere, perficere. RIGV. 41. 7.: कथा राधाम सखाय: स्तोम मित्रस्य «quomodo efficiamus, amici! laudem Mitrae?» 2) 4. *P.* राध्यामि perfici.

c. अप cl. 5. et 4. 1) offendere, injuriam facere, *c. gen.* MAH. 1. 1885.: कथन् ना 'स्या 'पराध्नुयाम्; 3. 11415.: पुरा स ना 'पराध्नोति सिद्धनाम् ब्रह्मवादिनाम्; 3. 5988.: तव नै 'षा 'पराध्यति. 2) peccare. R. Schl. II. 18. 11.: कच्चिन् मया ना 'पराद्धम् अज्ञानात्; MAH. 4. 1611.: कथन् धर्मे ऽपराध्नुयु:; MR. 277. 7.: यैावनम् अत्रा 'पराध्यति न चारित्र्यम्.

c. अभि *Caus.* propitiare, propitium facere, sibi conciliare. R. Schl. II. 30. 33. et 34.: अभिराध्यते. *V. sq.*

c. आ *Caus.* 1) *id.* MAH. 1. 6368.: आराधयिष्यन् द्रुपद: स तम् पर्यचरत् पुन:; RAGH. 10. 86.: गुणैर् आराधयामासुस् ते गुरुम्; R. Schl. I. 17. 31.: धर्मेणा "राधय प्रजा:; A. 3. 5. 2) colere, servire. MAN. 10. 122.: स्वर्गार्थम् ... विप्रान् आराधयेत् तु स: (शूद्र:).

c. आ praef. उप *Caus.* servire. MAN. 10. 121. *b.*

c. आ praef. सम् *Caus.* sibi conciliare. MAH. 3. 10344.

राम (r. रम् s. अ) 1) *Adj.* amoenus, pulcher. UR. 71. 7. 2) *m.* nom. pr.

रावण *m.* (*Caus.* r. रु s. अन) nom. pr. *Râkschasi.*

राश् 1. *A.* (शब्दे) sonare. *Vid.* रास्, रस्.

राशि *m.* cumulus. N. 13. 17.

राष्ट्र *n.* (r. राज् s. त्र, v. *euph. r.* 89. *b.*) regnum. BR. 1. 1.

रास् 1. *A.* (शब्दे) sonare. *Cf.* रस्, राश्.

रासभ *m.* (r. रास् s. अभ) asinus. AM.

राहु *m.* Daemon, e *Daityorum* stirpe, serpenti posticâ corporis parte similis, a quo lunam et solem eclipsis tempore voratos mythologia fingit. N. 16. 14.

1. **रि** 5. *P. i. q.* ऋ cl. 5.

2. **रि** 6. *P.* रियामि (गतैा) ire. — *In dial. Vêd.* री *cl.* 9. educere. RIGV. 56. 6.: त्वं सुतस्य मदे अरिणा अप: «tu libaminis gaudio *e nube* elicuisti aquas».

c. सम् cl. 9. *in dial. Vêd.* sanare. RIGV. 117. 19.: स्रामम् (vulneratum) ... संरिणीथ:.

रिक्थ *n.* (r. रिच् s. थ) facultates, bona, divitiae, opes. MAN. 9. 104.

रिख् 1 *P.* ire. *V.* रख्.

रिङ्ख् 1. *P. id.* *V.* रख्.

रिङ्ग् 1. *P. id.* *V.* रख्.

1. **रिच्** 7. *P. A.* रिणच्मि, रिञ्चे disjungere, separare, liberare. RAGH. 14. 85.: राज्यं रजोरिक्तमना: शशास; BHATT. 6. 36.: रिनच्मि जलधेस् (disjungo a mari) तोयम् विविनच्मि दिव: सुरान्. (*V.* 2. रिच् et cf. lat. *LIC*, *linquo*; gr. ΛΙΠ, λείπω, mutatâ gutt. in lab.; lith. *pa-lĕkmi* relinquo; goth. *af-lifnan* relinqui, superesse; *laibôs* reliquiae cum mediâ pro aspir.; island. vet. *leifar* reliquiae; germ. vet. *LIB*, *bi-lîbu* remaneo, *bi-leib*, *bi-libumês*, nostrum *bleibe*).

c. अति *Pass. proprie* disjungi, *inde* conspici, excellere, praecellere, praevalere, dominari; potiorem esse. HIT. 12. 7.: स्वभाव एवा 'त्र तथा 'तिरिच्यते यथा प्रकृत्या मधुरङ् गवाम् पय:; 35. 7.: दैवम् अत्रा 'तिरिच्यते; MAN. 12. 25.: यो यदै "षाङ् गुणो देहे साकल्येना 'तिरिच्यते. *C. acc.* superare, excedere. MAN. 2. 145.: सहस्रन् तु पितॄन् माता गैारवेणा 'तिरिच्यते. *C. ablat.* potiorem, meliorem, praestantiorem esse *aliquâ re*, excedere *alqm rem.* HIT. 133. 2.: अश्वमेधसहस्राद् धि सत्यम् एवा 'तिरिच्यते; BH. 2. 34.: अकीर्तिर् मरणाद् अतिरिच्यते «infamia ultra obitum porrigitur». Etiam *c. instr.* (cf. युज् praef. वि) MAH. 3. 10588.: कपोतस् तु मांसेना 'त्यतिरिच्यते «columba vero carne *regis* multo gravior est». *V. praef.* प्र.

c. उत् *Pass. id.* MAH. 1. 3070.: ममै 'वो 'द्रिच्यते जन्म उष्यन्त तव जन्मन: (praestantior est).

c. प्र *Passiv. c. abl.* excedere *aliquam rem*, porrigi *ultra aliquam rem.* RIGV. दिवश्चित् ते ... प्ररिरिचे महित्वम् «ultra coelum tua exporrecta est magnitudo»; 61. 9.: अस्येद् (अस्य इत्) एव प्ररिरिचे महित्वन् दिवस्पृ-

Universität zu Köln * Seminar für Indologie